**महेश्वरी पुस्तक प्रकाशन**

गोविंद जी का रास्ता,

जयपुर-३

जावक क्रमांक : १६७/२०१२ तारीख : १/०२/२०१८

सेवा में,

सर्वश्री राष्ट्रभाषा प्रकाशन गृह,

१५, नेहरू मार्ग,

जबलपुर

**विषय : संदर्भांकित पत्र का उत्तर**

**संदर्भ : आपका प्राप्त कृपापत्र**

प्रिय महोदय,

हमें आपका उपरोक्त संदर्भांकित पत्र मिला। हमें आश्चर्य है कि सर्वश्री किताबघर, ग्वालियर वालों ने आपको हमारा नाम संदर्भ देने के लिए कैसे भेज दिया है। हमारा उक्त संस्था से कुछ वर्ष पूर्व व्यापारिक संबंध रहा है। हम उन्हें सदैव ही नकद माल बेचते थे और उन्हें हमने उधार माल कभी भी नही दिया।

ऐसी परिस्थिति में हम उनके संबंध में किसी भी प्रकार की सूचना देन में असमर्थ हैं। भविष्य में हमारे लिए कोई योग्य सेवा हो तो अवश्य लिखिएगा। हमारा सहयोग सदैव आपके साथ रहेगा। भविष्य में आपसे व्यापार करने के लिए हम सदैव उत्सुक रहेंगे। हमारा व्यापार फलश्रृत होगां। धन्यवाद

भवदीय,

अध्यक्ष,

साथ में : कुछ नहीं।